डीएवीवी ने रजिस्ट्रेशन के लिए पांच दिन और बढ़ाए

सीईटी-2109 : 10 के बजाए 15 जून तक हो सकेंगे रजिस्ट्रेशन

पीपुल्स संवाददाता ● इंदौर
मो.नं. 9826428274

देवी अहिल्या यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने अपने विभागीय कक्षाओं में एडमिशन के लिए आयोजित की जाने वाली कॉमन एंट्रेस टेस्ट (सीईटी) में शामिल होने के लिए किए जाने वाले रजिस्ट्रेशन की अंतिम तारीख को पांच दिन आगे बढ़ा दिया है। बताया गया है कि अपेक्षा से कम रजिस्ट्रेशन होने के कारण ऐसा किया गया है।

यूनिवर्सिटी से जुड़े सूत्रों की मानें तो 10 जून सीईटी में शामिल होने के लिए रजिस्ट्रेशन की अंतिम तारीख थी, लेकिन पिछले साल की अपेक्षा कम रजिस्ट्रेशन को देखते हुए प्रबंधन ने रजिस्ट्रेशन की तारीख और पांच दिन आगे बढ़ाई है। इस लिहाज से अब सीईटी में शामिल होने के लिए रजिस्ट्रेशन आगामी 15 जून तक कराए जा सकते हैं। इस मामले में यूनिवर्सिटी की एडमिशन सेल से मिली जानकारी के मुताबिक सीईटी की ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन की तारीख आगे बढ़ाई है। रजिस्ट्रेशन के अंतिम

> यूनिवर्सिटी प्रबंधन द्वारा सीईटी के रजिस्ट्रेशन के लिए समय सीमा बढ़ाई गई है। साथ ही ग्रुप ए1-ए2, ग्रुप बी1-बी2 में रखे कोर्स में 16 हजार आवेदन हुए हैं। रजिस्ट्रेशन के लिए बढ़ाई गई समय सीमा में एप्लीकेशन का आंकड़ा 22 से 25 हजार तक पहुंचने की संभावना है।
>
> **-डॉ. नरेंद्र कुमार धाकड़** कुलपति

दिन सोमवार तक 19 हजार रजिस्ट्रेशन किए जा चुके हैं। इसमें 16 हजार सीईटी और 3 हजार पीएचडी-एमफिल व अन्य कोर्स शामिल हैं। यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने सीईटी में रजिस्ट्रेशन के लिए 20 मई से 10 जून तक का समय रखा था। सोमवार रात 12 बजे ऑनलाइन आवेदन की लिंक बंद होनी थी, लेकिन सोमवार को ही कार्यपरिषद में 11 कोर्स शुरू करने की मंजूरी दी गई। इसमें तीन बीएससी ऑनर्स, एक बीए, दो पीजी डिप्लोमा कोर्स, योग कोर्स और पांच अलग-अलग डिप्लोमा कोर्स शामिल हैं। अब इनमें आवेदन के लिए विश्वविद्यालय ने समय बढ़ा दिया है। ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन 15 जून तक होंगे।

एडमिशन कैंसिल तो कॉलेज को लौटानी होगी फीस

स्कूली छात्रों को राहत, प्रक्रिया के 100 रु. का होगा भुगतान

पीपुल्स संवाददाता ● इंदौर
मो.नं. 9826428274

उच्च शिक्षा विभाग ने इस साल के शिक्षा सत्र 2019-20 में एडमिशन लेने वाले स्कूली छात्र-छात्राओं के लिए नया नियम बनाया है, जो उनके लिए काफी राहतभरा कदम है। लेकिन इस नियम के विरोध में कॉलेज संचालकों ने मोर्चा खोलने की तैयारी कर ली है।

नए नियम के मुताबिक एडमिशन कैंसिल होने पर कॉलेज प्रबंधन को छात्र को फीस वापस लौटानी होगी। इस संबंध में उच्च शिक्षा विभाग से मिली जानकारी के अनुसार, इन दिनों शासकीय और अशासकीय कॉलेजों में एडमिशन प्रक्रिया में 12वीं में सप्लीमेंट्री वाले विद्यार्थियों को भी दाखिला देने के नियम में कुछ फेरबदल किया है। नए नियम के मुताबिक, यदि 12वीं की सप्लीमेंट्री परीक्षा में छात्र फेल होता है तो उसका एडमिशन निरस्त होगा। ऐसी स्थिति में कॉलेज को मात्र 100 रुपए काटकर फीस की शेष राशि लौटाना होगी। अभी तक एडमिशन निरस्त होने पर कॉलेज फीस नहीं लौटाते थे। कई कॉलेज नए नियम के पक्ष में नहीं हैं। प्रबंधन ने इसके लिए विभाग को पत्र भी लिखा है।

उल्लेखनीय है कि यूजी कोर्स में प्रवेश को लेकर 10 जून से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन किए जा रहे हैं, जिसमें 12वीं में सप्लीमेंट्री प्राप्त छात्रों को भी प्रवेश देना अनिवार्य है। विभाग ने इनके लिए प्रावधान किया है कि मेरिट लिस्ट के आधार पर एडमिशन होने के बाद खाली सीटों पर इन्हें प्रवेश दिया जाए। इन्हें प्रोविजनल एडमिशन माना जाए। ऐसे में फेल होने पर विद्यार्थियों का एडमिशन निरस्त होगा। वहीं कॉलेजों को 100 रुपए काटकर फीस लौटानी होगी। इस नियम पर ज्यादातर प्राइवेट कॉलेज आपत्ति ले रहे हैं। कॉलेज संचालकों का तर्क है कि प्रोविजनल एडमिशन वैसे ही खाली ही माना जाता है। ऐसे में यदि फीस लौटा दी जाए तो उन्हें तो एक स्टूडेंट का नुकसान हो जाएगा।

ऑनलाइन होगी काउंसलिंग प्रक्रिया, नॉन पीपीटी कोर्स में 13 और पीपीटी कोर्स की 15 से काउंसलिंग

पॉलिटेक्निक में पीपीटी के अंकों के आधार पर मिलेगा प्रवेश

पीपुल्स संवाददाता • इंदौर
मो.नं. 9826428274

प्रदेश के साथ ही शहर के पॉलिटेक्निक कॉलेजों में एडमिशन प्रक्रिया शुरू हो गई है। काउंसलिंग से होने वाले एडमिशन में पीपीटी के अंकों के आधार पर प्रवेश मिलेगा। इसके बाद छात्र-छात्राओं की मेरिट लिस्ट जारी की जाएगी। इन्हीं प्रक्रियाओं के पालन के साथ शहर के सभी पॉलिटेक्निक कॉलेजों की सीटें भरी जाएंगी।

तकनीकी शिक्षा विभाग से जुड़े सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार महिला पॉलिटेक्निक कॉलेज में नॉन पीपीटी कोर्स की सीट पर भी एडमिशन होंगे। इन कोर्स में वे छात्राएं एडमिशन ले पाएंगी, जिन्होंने पीपीटी का ऑनलाइन एक्जाम नहीं दिया है यानी इन कोर्स में डायरेक्ट एडमिशन होंगे। पीपीटी पासआउट छात्र-छात्राओं के लिए 15 जून से काउंसिलिंग शुरू होगी। वहीं नॉन पीपीटी कोर्स के लिए यह काउंसलिंग 13 जून से शुरू की जाएगी। इसके लिए छात्र-छात्राओं को अपना रजिस्ट्रेशन कराना होगा। इसके साथ ही डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन की प्रक्रिया शुरू होगी। इसके लिए संबंधित संस्थान में आवेदक को जाना होगा।

पीपीटी कोर्स

- आर्किटेक्चर एंड इंटीरियर डिजाइनिंग,
- कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग,
- सिविल इंजीनियरिंग,
- कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग,
- इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग,
- होटल मैनेजमेंट एंड कैटरिंग टैक्नोलॉजी,
- इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी
- मैकेनिकल इंजीनियरिंग,
- टेक्सटाइल टेक्नोलॉजी,
- इलेक्ट्रॉनिक्स एंड टेली कम्युनिकेशन,
- इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी,
- टेक्सटाइल डिजाइनिंग आदि हैं।

नॉन पीपीटी कोर्स

- मॉडर्न ऑफिस मैनेजमेंट,
- ब्यूटी कल्चर एंड कॉस्मेटिक, शामिल हैं।

सुबह 8 बजे से शुरू काउंसलिंग- पॉलिटेक्निक कॉलेज के स्टाफ के मुताबिक इस बार पॉलिटेक्निक संस्थानों में ऑनलाइन काउंसलिंग सुबह 8 बजे से शुरू होगी। काउंसलिंग प्रक्रिया की शुरुआत 13 जून से होगी। इसमें छात्राओं को अपना रजिस्ट्रेशन कराने के बाद डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन कराना होगा। इसके एक सप्ताह बाद छात्राओं को एडमिशन लेटर जारी कर दिए जाएंगे, जिसके हिसाब से उन्हें उनके पसंदीदा कोर्स में सीट अलॉट की जाएगी। डॉक्यूमेंट्स में उन्हें अपने सभी ओरिजिनल डॉक्यूमेंट्स लाने होंगे। इसमें पीपीटी कोर्स में एडमिशन की योग्यता के लिए कक्षा 10वीं और नॉन पीपीटी कोर्स में योग्यता कक्षा 12वीं की अंकसूची आवश्यक है।

इनका कहना है...

पॉलिटेक्निक कॉलेजों के लिए सभी दिशा-निर्देश निदेशक तकनीकी शिक्षा विभाग द्वारा जारी किए जाते हैं। जो भी निर्देश हमें मिलेंगे, उन्हीं नियमों के अनुसार कार्यप्रणाली से काम किया जाएगा।

• आरएन तिवारी,
प्रिंसिपल महिला पॉलिटेक्निक